आखर हिंदी पत्रिका; e-ISSN-2583-0597 खंड 4/अंक 1/मार्च 2024

Received: 09/03/2024; Accepted: 14/03/2024; Published: 24/03/2024

भारतीय भाषा में रोजगार

सौम्यश्री हेच.डी.
सहायक प्रोफेसर
सुराणा कालेज, साउथेंड सर्कल ,बैंगलोर.
मोबाइल :-9019807491
ईलेम :-sowmyashree.hd@suranacollege.edu.in

सौम्यश्री हेच.डी., **भारतीय भाषा में रोजगार** ,आखर हिंदी पत्रिका खंड 4/अंक 1/मार्च 2024 ,(38- 40)

रोजगार आज की युग की बड़ी ज्वलंत समस्या है। प्रत्येक विद्यार्थी अपनी पढ़ा के दौरान इस विषय पर मंथन जरुर करती है कि वह जिस विषय में शिक्षा प्राप्त कर रहा है , उसमें उसके लिए रोजगार की कितनी संभावनाएँ हैं। हिन्दी में रोजगार के कितने अवसर हैं इस विषय पर बात पर करने से पहले, हम भाषा क्या है ? और हिन्दी की स्थिति क्या है ? इस विषय पर चर्चा करेंगे।

भाषा क्या है ?

भाषा वह साधन है , जिसके द्वारा मनुष्य बोलकर , सुनकर , लिखकर व पढ़कर अपने मन के भावों या विचारों का आदान – प्रदान करता है। दूसरे शब्दों में – जिसके द्वार हम अपने भावों को लिखित अथवा कथित रुप से दूसरों को समझा सके और दूसरों के भावों को समझ सके उसे भाषा कहते है।

हिन्दी भाषा क्या है ?

हिन्दी एक भाषा है, जिसे भारत की राजभाषा , राष्ट्रभाषा ,संपर्क भाषा तथा भारतवर्ष की मातृभाषा होने का गौरव प्राप्त है। इस दृष्टि से हिन्दी भाषा की भारत में स्थिति अत्यंत गरिमामयी है। १४ सितंबर १९४९ में भारत की संविधान सभा ने हिन्दी को केंद्र की आधिकारिक भाषा के तौर पर अपनाया था।

इसी उपलक्ष्य में हर साल १४ सितंबर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है। हिन्दी भारत की प्रमुख भाषा है, जो मुख्य तौर पर उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश , बिहार , हरियाणा , झारखण्ड , मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में बोली जाती है।

हिन्दी में रोजगार की संभावनाएँ : -

किसी भी भाषा का सर्वप्रथम कार्य किसी समाज को विचार विनिमय अर्थात संप्रेषण की योग्यता प्रदान करना है बिना भाषा के समाज ज्ञानार्जन कर सकता है और ना ही अर्जित ज्ञान को प्रयोग कर सकता है। इस दृष्टि से हिन्दी भाषा बहुत ही औचित्यपूर्ण भाषा है। यह भाषा समस्त विश्व में बोली जाने वाली

भाषाओं में दूसरे स्थान पर आती है। अब प्रश्न उठता है रोजगार का, कि किसी भी विद्यालय या विश्वविद्यालय में प्रत्येक विद्यार्थी उन विषयों का अध्ययन करना चाहता है , जिनमें रोजगार की संभावनाएँ अधिक होती हैं। व्यवहारिक रुप से देखने में भी आता हैं कि जिन विद्यार्थियों का अंक प्रतिशत अधिक होता है तो वे प्राय: उन विषयों में दाखिला लेते हैं जो रोजगारोन्मुखी होते हैं। इसलिए ऐसे विषयों में सीटें सबसे पहले भर जाती हैं। यद्यपि

किसी भी भाषा के अध्ययन – अध्यापन का मूल उद्धेश्य समाज को नैतिक शिक्षा, मूल्य चेतना और समाज चेतना प्रदान करना होता है। किसी भी भाषा में रचित साहित्य उपरोक्त सभी लक्ष्य एवं उद्धेश्यों को पूरा करने में सक्षम भी होता है। हिन्दी भाषा का अपना एक समृद्ध साहित्य कोश है।

इसके साथ – साथ हिन्दी भाषा में रोजगार को भी अपार संभावनाएँ हैं। हिन्दी भाषा का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को निराश होने की आवश्यकता नहीं है। वर्तमान समय में हिन्दी को लेकर जो पुरानी मानसिकता थी वह टूट रही है। हिन्दी भाषा में पर्याप्त क्षमता है तो जो लोगों को रोजगार तक ले जा सकती है।

हिन्दी के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर : -

१.हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में :-

हिन्दी का अध्ययन करने वाले छात्रों के बीच पत्रकारिता रोजगार का एक आकर्षक विकल्प है। यहाँ मेहनती और प्रतिभावान युवाओं के लिए बहुत संभावनाएँ हैं। पत्रकारिता एक ऐसा सशक्त माध्यम है, जो हमारे जीवन की विविधताओं , नित्य नूतनताओं और दैनिक घटनावलियों – प्रसंगावलियों को शीघ्र प्रस्तुत करने की क्षमता रखता है।हिन्दी भाषा पर अच्छी पकड़ है तो आप पत्रकारिता के क्षेत्र में भी आगे जा सकते हैं। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए शुद्ध और सरल भाषा में लिखने के साथ – साथ बोलना भी आना चाहिए। मीडिया में आगे बढ़ने के लिए मास कम्युनिकेशन या जर्नलिज्म से डिग्री / डिप्लोमा कोर्स करना जरुरी है।पत्रकारिता में आने की इच्छा रखने वाले युवाओं को अपने आसपास घटित होनेवाली घटनाओं के प्रति सजग और संवेदनशील होना भी बहुत जरुरी है।

२.हिन्दी शिक्षक / अध्यापन के क्षेत्र में :-

भारत में पारंपरिक हिन्दी और संस्कृत की शिक्षा को महत्व दिया जाता है।ऐसे में आप हिन्दी शिक्षक के रुप में करियर बना सकते हैं। यहाँ उच्च शिक्षण संस्थानों से लेकर प्राथमिक स्तर तक शिक्षण के अवसर योग्यतानुसार उपलब्ध रहते हैं।हिन्दी विषय से ग्रेजुएशन करने के बाद विभिन्न सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में शिक्षक के रुप में नौकरी पा सकते हैं। इसके अलावा विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर और प्रोफेसर के पद प्राप्त कर सकते हैं।

३.राजभाषा अधिकारी :- केन्द्रीय संस्थानों और कार्यालयों में राजभाषा अधिकारी की नियुक्ति की जाती है। ये हिन्दी अनुवादक के साथ – साथ हिन्दी दिवस, हिन्दी पखवाड़ा और हिन्दी कार्यशाला के आयोजन और पत्रिका संपादन आदि कार्यों को देखते हैं।यदि आप हिन्दी विषय में परास्नातक हैं और स्नातक स्तर पर

एक विषय के रुप में अंग्रेज़ी का भी अध्ययन किया है तो राजभाषा अधिकारी के रुप में आप करियर बना सकते हैं ।

४.अनुवादक और दुभाषिया : -

अनुवाद का क्षेत्र बहुत बड़ा है दुनिया भर में जैसे – जैसे हिन्दी का प्रयोग बढ़ रहा है वैसे – वैसे अनुवादकों और दुभाषियों की मांग भी बढ़ती जा रही है । अनुवादक बनने के लिए कम से कम दो भाषाओं पर पकड़ मजबूत होनी चाहिए । अगर आपकी हिन्दी के साथ अंग्रेज़ी या किसी अन्य भाषा पर अच्छी

पकड़ है हो आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं । अनेक देशी – विदेशी मीडिया संस्थान, राजनीतिक संस्थाएँ , पर्यटन से जुड़े संस्थान और बड़े – बड़े होटलों में अनुवाद और दुभाषियों की आवश्यकता बढ़ रही है । युवाओं को चाहिए कि वह अपने अनुरुप अवसरों को तलाश कर क्षेत्र में अपना भविष्य सुरक्षित कर ले।

५.कम्प्यूटर के क्षेत्र में : -

आज का युग कम्प्यूटर का युग है ,हिन्दी के विद्यार्थी इस क्षेत्र में भी अपना करियर बना सकते हैं ।वर्तमान में प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिता, इंटरनेट आदि में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच और संस्थाओं में हिन्दी के इस्तेमाल में व्यापक वृद्धि हुई है। फेसबुक , टिवटर , यूट्यूब , व्हाट्सएप जैसे प्लेटफार्म पर हिन्दी का प्रभाव बढ़ा है । गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज कंपनियों ने हिन्दी में बहुत बड़े पैमाने पर काम करना शुरु कर दिया हैं । ऐसे में इस क्षेत्र में भी हिन्दी के विद्यार्थियों के लिए रोजगार की बहुत सी संभावनाएँ तलाशा कर सकते हैं ।

उपरोक्त विषयों के अतिरिक्त भी हिन्दी विषय में अनेक क्षेत्र ऐसे हैं जहाँ पर रोजगार की संभावनाएँ हैं । कहा जा सकता है कि हिन्दी के विद्यार्थी हिन्दी भाषा में निपुणता व दक्षता हासिल करें और उसके पश्चात वह इस क्षेत्र में अपने लिए रोजगार की संभावनाएँ तलाशा कर सकते हैं। इसकी विविध क्षेत्रों में स्वीकृति और प्रयोजनीयता बढ़ने से नयी दृष्टि से हिन्दी को देखा जा रहा है ।

सन्दर्भ ग्रंथ :-

१. दैनिक भास्कार – लक्ष्य पत्रिका

२. www.https://hi.m.wikipedia.org>wiki

३. विश्व के प्रमुख देशों में हिन्दी का पठन – पाठन – डॉ ज्योति सिंह

४. विज्ञापन पत्रकारिता वर्तमान तकनीक एवं अवधारणा – एन.सी.पंत इन्द्रजीत सिंह

५. hindikunj.com

****